

## सटी गैस वितरण परियोजना (City Gas Distribution- CGD Scheme)

### चर्चा में क्यों?

22 नवंबर, 2018 को प्रधानमंत्री ने CDG बोली प्रक्रिया के नौवें दौर के तहत 129 ज़िलों के 65 भौगोलिक क्षेत्रों में सटी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखी।

### प्रमुख बिंदु

- भारत सरकार गैस आधारित अर्थव्यवस्था की दशा में अग्रसर होने के लिये देश भर में ईंधन/कच्चे माल के रूप में पर्यावरण अनुकूल स्वच्छ ईंधन अर्थात् प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष ज़ोर दे रही है।
- मौजूदा समय में देश के ऊर्जा मिश्रण (energy mix) में गैस की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से कुछ ही अधिक है और इस आँकड़े को 15 प्रतिशत के स्तर पर पहुँचाने का लक्ष्य है, जबकि इस मामले में वैश्विक औसत 24 प्रतिशत है।
- CGD नेटवर्क विकास का उद्देश्य देश के नागरिकों के लिये स्वच्छ रसोई ईंधन (अर्थात् PNG) और स्वच्छ परिवहन ईंधन (अर्थात् CNG) की उपलब्धता को बढ़ाना है।

### CGD योजना के लाभ

- CGD सरकार की विभिन्न स्वच्छ ऊर्जा पहलों जैसे- एथेनॉल ब्लेंडिंग, संपीडित बायोगैस संयंत्र स्थापना, LPG कवरेज में वृद्धि और ऑटोमोबाइल के लिये बीएस-6 ईंधन की शुरुआत आदि को समर्थन प्रदान करेगा।
- CGD प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का भी समर्थन करेगा क्योंकि शहरों में पाइप लाइन के माध्यम से गैस प्राप्त करने से ग्रामीण इलाकों में गैस सिलिंडरों की आपूर्ति में वृद्धि होगी।
- CGD नेटवर्क के विस्तार से औद्योगिक और वाणिज्यिक इकाइयाँ भी लाभान्वित होंगी क्योंकि इसके तहत प्राकृतिक गैस की अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

### सरकार की स्वच्छ ऊर्जा पहल

- सरकार देश में स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये प्रतिबद्ध है तथा इस दशा में सरकार द्वारा LED बल्ब, बीएस VI ईंधन, जैव ऊर्जा, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसे कई पहलों की शुरुआत की गई है।
- अधिक-से-अधिक शहरों में पाइप के ज़रिये स्वच्छ गैस की आपूर्ति करना भी इस दशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

### प्राकृतिक गैस ही क्यों?

- कोयला एवं अन्य द्रव ईंधनों की तुलना में प्राकृतिक गैस एक बेहतर ईंधन है क्योंकि यह पर्यावरण अनुकूल, सुरक्षित और सस्ता ईंधन है।
- प्राकृतिक गैस की आपूर्ति ठीक उसी तरह से पाइपलाइनों के ज़रिये की जाती है, जैसे कि किसी व्यक्ति को नल के ज़रिये पानी प्राप्त होता है।
- इसके लिये कचिन में सिलिंडर रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती है, अतः इस स्थान का उपयोग किसी और कार्य के लिये किया जा सकता है।

स्रोत : पी.आई.बी.